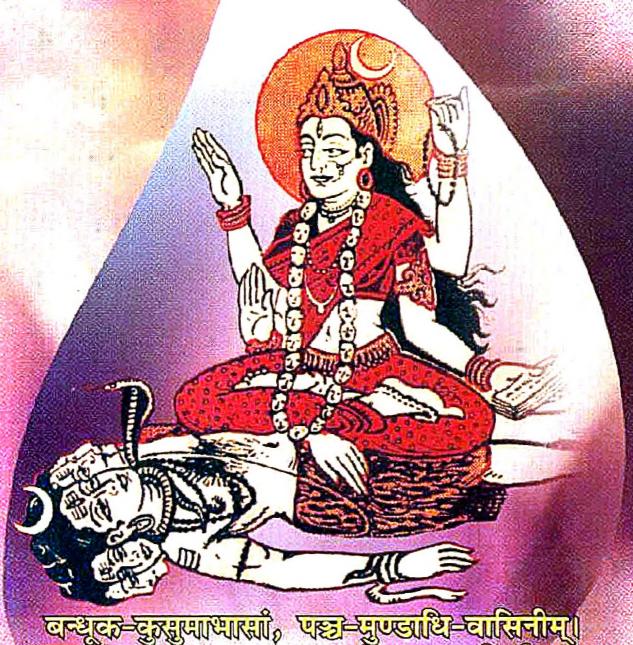
## धो ख्निचांडी



वन्द्रेव्हें हुह्युसाधासाँ, प्राह्में सुण्डाधि वारिस्तियाँ रसुराज्यान् काला-स्वान्ध्राह्में सुण्डा सुण्डा सामितियाँ । विनेत्रां राज्ये वासां, पीनोहात्में यह स्वानीयाँ पुरत्वके चासां – यालां च, वर चाधायके क्रमात्। स्थाती संस्मार नित्यप्तात्मायान्यापितायां ।।।